नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

सभी की सहभागिता से आगे बढ़ेगा विश्वविद्यालय- कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

'मंथन' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रगति, चुनौतियों पर हुआ विमर्श

संपादक मणिकांत सोनी, भरत महोदय, मुरलीधर बेलखोडे ने रखे विचार

वर्धा दि. 30 दिसंबर 2015: विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने के लिए सभी शिक्षक, विद्यार्थी तथा इससे जुड़े समाज की सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता है। शिक्षा के इस रचनात्मक कार्य को सही

दिशा प्रदान करने के लिए विवेकपूर्ण तरीके अपनाने होंगे तभी हम विश्वविद्यालय के मूल की अवधारणाओं की चरितार्थ कर पाएंगे। उक्त उदबोधन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय के स्थापन दिवस पर बुधवार को आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी सभागार में आयोजित मंथन कार्यक्रम में दिये। इस अवसर पर मंच पर दैनिक भास्कर नागपुर के संपादक मणिकांत सोनी, विवि के वरिष्ठ प्रोफेसर मनोज कुमार, प्रो. अनिल कुमार राय, गांधी विचार परिषद के निदेशक भरत महोदय, निसर्ग सेवा समिति के संयोजक मुरलीधर बेलखोडे, विवि के कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र मंचासीन थे।

दैनिक भास्कर नागपुर संस्करण के संपादक मणिकांत सोनी ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्वविद्यालय का आकलन करने के लिए इससे जुड़े समाज का फीडबैक जरूरी है और निरंतर संचार

से ही इसका सही और प्रभावी आकलन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शोध की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे स्वयंप्रेरित होकर अपने पाठ्यक्रम का चुनाव करें और उसमें अव्वल रहने का प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थी तथा शोधार्थियों से अपील की कि मेहनत के अलावा आप

समझ विकसित कर अपनी दृष्टि को विस्तारित करें। विश्वविद्यालय की दिशा आपकी दृष्टि से ही तय होगी। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों के अलावा डॉ. मिथिलेश तिवारी, संदीप सपकाले, डॉ. सुप्रिया पाठक, डॉ. कृपा शंकर चौबे, प्रो. अरबिंद कुमार झा, शैलेश मरजी कदम, अर्चना पाठ्या, नरेश गौतम, अनिल कुमार गुप्ता आदि ने विश्वविद्यालय की विकास यात्रा को लेकर अपने मंतव्य व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शंभू जोशी ने किया तथा स्वागत वक्तव्य संयोजक प्रो. अनिल कुमार राय ने किया। आभार संदीप वर्मा ने माना। नीता बैस, रवींद्र बैस सहित विवि के पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थी बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।